भिवाड़ी के कहरानी में प्रतिबंधित प्लास्टिक बनाने की फैक्टरी पकड़ी

भारी मात्रा में प्लास्टिक सामग्री, माल, मशीन और माल से भरा ट्रक जब्त

अलवर, (निसं)। भिवाडी इंडस्ट्रियल एरिया कहरानी में एक फैक्टरी में अवैध रूप से प्लास्टिक के आईटमों का निर्माण किया जा रहा है। यहां निर्मित प्लास्टिक आईटम सिंगल यूज की क्षेणी में आते हैं जो कि एनसीआर में पूर्णतय प्रतिबंधित है। इसकी सूचना जैसे ही क्षेत्रीय पोल्यूशन बोर्ड के अधिकारी अमित जुआल को मिली तो जुआल ने सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए इस फैक्टरी पर छापा मारा और फैक्टरी में निर्मित प्रतिबंधित प्लास्टिक और मशीन, स्टॉक और माल से भरे ट्रक को जब्त कर लिया है। अधिकारी के अनुसार अब इस फैक्टरी को सीज़ किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार भिवाड़ी में इस फैक्टरी की सूचना जैसे ही क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी अमित जुआल को मिली तो उन्होंने तुरंत लोकेशन पर अपनी टीम को रवाना कर दिया। टीम ने मौके पर पहुंच कर फैक्टरी में प्रवेश किया तो वे दंग रह गये, क्योंकि इस फैक्टरी में अवैध रूप से प्रतिबंधित प्लाटिक का निर्माण किया जा रहा था। टीम ने पहुंचते ही इसकी सूचना क्षेत्रीय अधिकारी जुआल को दी। टीम ने मौके पर पहुंचकर फैक्टरी का सारा सामान जब्त कर लिया है और जिला कलैक्टर को इसकी सूचना दे दी। जुआल ने कहा कि सारी कार्यवाही करने के बाद इस फैक्टरी को सीज करते हुए इसके मालिक पर कार्यवाही की जाएगी क्योंकि यह उद्योग जो कि एनसीआर में प्रतिबंधित है उसे यहां चोरी छुपे कैसे चलाया जा रहा था। इस कार्यवाही में क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी अमित जुआल के साथ एक्सईएन अंकुर पाठक, एईएन रोहिताश्व, जेईएन अंकित और वैज्ञानिक अश्वनी शामिल रहे।

भिवाडी इंडस्ट्रियल एरिया कहरानी में प्लास्टिक बनाने की फैक्टरी में छापा मारा।

डूंगरपुर में रतनपुर बॉर्डर पर सात लाख की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त

बाडमेर का तस्कर गिरफ्तार, कंटेनर ट्रक के गुप्त केबिन में छिपाकर शराब की तस्करी हो रही थी

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिछीवाड़ा थाना पुलिस और रतनपुर चौकी टीम ने कार्रवाई करते हुए रतनपुर बॉर्डर पर एक कंटेनर ट्रक से 71 कार्टन चंडीगढ़ निर्मित अंग्रेजी शराब जब्त की है। करीब सात लाख रुपए कीमत की इस शराब को कंटेनर ट्रक के बैटरी बॉक्स के ऊपर बनाए गए गुप्त केबिन में छिपाकर गुजरात ले जाया जा रहा था। पुलिस ने कंटेनर ट्रक जब्त कर बाडमेर निवासी ड्राइवर नवाब खान को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अंतरराज्यीय शराब तस्करी नेटवर्क की जांच की जा रही है।

बिछीवाड़ा थाने के एसआई अब्दुल मुनाफ ने बताया कि अभियान के तहत राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर नाकेबंदी की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि उदयपुर की ओर से गुजरात जा रहे एक बंद बॉडी कंटेनर में आगे बैटरी बॉक्स के ऊपर बनाए गए गुप्त केबिन में विभिन्न ब्रांड की अवैध अंग्रेजी शराब छिपाकर ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने बताए गए नंबर के कंटेनर ट्रक को रुकवाया। ड्राइवर ने अपनी पहचान बाडमेर निवासी नवाब खान के रूप में बताते हुए कंटेनर को खाली बताया। पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली तो वह वास्तव में अंदर से खाली मिला, लेकिन मुखबिर की सूचना के आधार पर बैटरी बॉक्स की गहन जांच की गई। बैटरी बॉक्स के ऊपर बने गुप्त केबिन को खोलने पर पुलिस को एक-एक कर कुल 71 कार्टन चंडीगढढ़निर्मित अंग्रेजी शराब मिली। बरामद शराब की अनुमानित बाजार कीमत करीब 7 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने मौके पर शराब और कंटेनर ट्रक जब्त करते हुए ड्राइवर नवाब खान को गिरफ्तार कर लिया। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। अब यह पता लगाया जा रहा है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी, इसे किसके लिए भेजा जा रहा था और इस तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की क्या भूमिका है। पुलिस पूरे अंतरराज्यीय नेटवर्क और इसके मुख्य सप्लायरों की जांच में जुटी है।

बिछीवाड़ा थाना पुलिस और रतनपुर चौकी टीम ने अवैध शराब जब्त कर आरोपी को दबोचा।

मसूदा में रिश्तेदारों पर धोखाधड़ी कर कृषि भूमि हड़पने का आरोप

■ आरोप है कि शराब पिलाकर दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा लिये

मसूदा, (निसं)। मसूदा थाना क्षेत्र के श्योपुरा देवमाली निवासी कालू भील ने अपने रिश्तेदारों पर धोखाधड़ी कर उसकी कृषि भूमि हड़पने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को रिपोर्ट देकर आरोपियों के विरुद्ध धोखाधड़ी, फर्जीवाड़ा, जमीन पर कब्जे के प्रयास तथा जान से मारने की धमकी देने के मामले में मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित कालू भील ने बताया कि 9 मई को उसका भतीजा मानाराम उसे मसूदा लेकर गया। आरोप है कि वहां पहले उसे शराब पिलाई गई और बाद में तहसील कार्यालय ले जाकर बताया गया कि जमीन के बंटवारे से संबंधित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने हैं। इसी दौरान उसके पुत्र की हाल ही में हुई मृत्यु का हवाला देते हुए यह भी कहा गया कि दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से सरकारी सहायता और मुआवजा मिल जाएगा। बेटे की मौत के गहरे सदमे में होने के कारण उसने बिना पूरी जानकारी लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर दिए। कालू ने बताया कि उसका पूरा परिवार अजमेर में रहता है। कुछ समय बाद गांव के लोगों ने उससे पूछा कि क्या उसने अपनी जमीन बेच दी है। इस पर जब उसने दस्तावेजों की जानकारी प्राप्त की तो कथित रूप से पता चला कि उसकी हिस्सेदारी की कृषि भूमि धोखे से दूसरे के नाम दर्ज करा दी गई है।

पीड़ित के अनुसार, जब वह अपने खेत पर खेती करने पहुंचा तो 24 जुलाई को आरोपी पक्ष वहां आ गया और जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया तथा जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसने पुलिस की शरण लेकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

इस मामले में तहसीलदार मसूदा तथा थाना अधिकारी मसूदा से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन देर शाम तक उनसे संपर्क नहीं हो सका।

इलेक्ट्रिक स्कूटी सहित आठ वाहनों में आग लगी

■ जब घटना हुई उस दौरान गली में ही खड़ी दो इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में गुरुवार सुबह अचानक इलेक्ट्रिक स्कूटी और बाइक समेत आठ गाड़ियों में आग लग गई। आग की लपटें देख आस-पास के लोगों ने फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया। घटना सुबह करीब 7:22 पर सरदारपुरा 8 वीं सी रोड की है। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और आधे घंटे में आग पर काबू पाया। जब घटना हुई उस दौरान गली में ही खड़ी दो इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी। सभी गाड़ियां एक ही गली में खड़ी थी।

फायर स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि सुबह 7:22 पर आग लगने की सूचना मिली थी। टीम तुरंत ही मौके पर भी पहुंच गई थी। उन्होंने बताया कि सरदारपुरा में जिप्सी रेस्टोरेंट के सामने गली में एक साथ 8 गाड़ियां खड़ी थी। इनमें दो इलेक्ट्रिक स्कूटी, एक बुलेट और बाकी स्कूटी थी। टीम ने बताया कि हादसे से पहले इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी। ऐसे में अंदेशा जताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से इनमें आग लगी। आग की लपटें इतनी तेज थी कि गली में खड़ी 8 गाड़ियों को भी चपेट में ले लिया। एक बार गली में आग की लपटें देख वहां मौजूद लोग भी घबरा गए थे। लेकिन, आग इतनी भयंकर थी कि आधे घंटे में सभी गाड़ियां जलकर खाक हो चुकी थी।

पूर्व सांसद अलवर, स्वतंत्रता सेनानी लाला काशीराम गुप्ता की मूर्ति स्थापना की

जयपुर/अलवर। लाला काशीराम गुप्ता, समाजसेवी, शिक्षाविद्, स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व सांसद, अलवर, की 48वीं पुण्यतिथि के अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, घीलोट में उनकी मूर्ति की स्थापना का कार्यक्रम आयोजित हुआ।

जानकारी के अनुसार स्व. लाला काशीराम ने घीलोट ग्रामवासियों के लिए गांव में ही शिक्षा स्थल उपलब्ध कराने के लिये इस विद्यालय की स्थापना करीब 1935 में की थी एवं कालांतर में स्वतंत्रता संग्राम में व्यस्तता के कारण इस विद्यालय को सरकार को सौंप दिया था। मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में लाला जी के परिवार से अलवर से रेणु गुप्ता, अलका गुप्ता, अपराजिता गुप्ता, ध्रुवसत्य गुप्ता व सुपुत्र केयांश दत्त गुप्ता, दीपक शर्मा, फरीदाबाद से आशा डाटा एवं अमरकान्त डाटा, शाहजहांपुर से शैलेन्द्र गुप्ता मौजूद रहे। वहीं जयपुर से लालाजी के परिवार के अत्यंत करीबी किशन लाल कौशिक्र, पूर्व निदेशक, कॉर्पोरेट मामलात मंत्रालय, भारत सरकार, एवं विकास कौशिक्र भी मौजूद रहे। प्रधानाचार्य कालूराम सिरोहीवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। लाला जी की मूर्ति बनवाने से घीलोट विद्यालय में मूर्ति स्थापना तक का सम्पूर्ण कार्यक्रम लालाजी की सुपुत्रियां डॉ. मालती एवं डॉ. प्रभा गुप्ता द्वारा विद्यालय प्राचार्य कालूराम सिरोहीवाल के सहयोग से सम्पन्न किया गया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत प्रशासक परमानन्द यादव ,पूर्व सरपंच प्रतिनिधि महताब सिंह चौहान, रविन्द्र कुमार पंचायत समिति सदस्य, राकेश चौहान पूर्व मण्डल अध्यक्ष सतिदान सिंह, सतीश सिंह, सत्यवीर सिंह यादव, शेर सिंह, लक्ष्मण प्रसाद, डॉ. जलदीप पथिक सेवानिवृत्ति उपनिदेशक आयुष विभाग, पप्पू ठेकेदार, मोनू गुप्ता, परसराम गुप्ता, महावीर सिंह सेवानिवृत अध्यापक एवं गाँव के गणमान्य नागरिक तथा विद्यालय का स्टॉफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दिनेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में डॉ, मालती गुप्ता द्वारा जलने पर प्राथमिक उपचार विषय पर लिखित द्विभाषिका पुस्तक 'पानी और आग, एक अनूठा संगम'का विमोचन भी किया गया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, घीलोट में आयोजित कार्यक्रम में लाला काशीराम गुप्ता की मूर्ति की स्थापना की गई।

अलवर में लाखों का गांजा पकड़ा, एक गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलवर पुलिस ने ऑपरेशन विजय प्रहार के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने अलग-अलग दो थाना क्षेत्रों में कार्रवाई कर 31 किलो 752 ग्राम गांजा जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जबकि एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया और एक बोलेरो गाड़ी जब्त की।

टहला थाना पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. दीपक कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्रियंका रघुवंशी और राजगढ़ वृत्ताधिकारी देशराज कुलदीप के सुपरविजन में कार्रवाई की। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि पहली कार्रवाई में टहला थाना पुलिस ने 30 किलो 740 ग्राम गांजा और एक बोलेरो गाड़ी जब्त की। इस मामले में एक नाबालिग को भी पकड़ा है। एसपी ने बताया कि दूसरी कार्रवाई में विजय मंदिर थाना पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 1 किलो 12 ग्राम गांजा बरामद किया। इस मामले में हरदयाल पुत्र गुलाबचंद (49), निवासी डहरा, थाना विजय मंदिर को गिरफ्तार किया गया।

बजरी भरी ट्रैक्टर-टॉली जब्त

पचेरी कलां, (निसं)। जिले में अवैध खनन और बजरी के अवैध परिवहन पर कार्रवाई कर पचेरी कलां थाना पुलिस ने गुरूवार को बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-टॉली जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम गश्त के दौरान श्योपुरा गांव के मोड़ पर पहुंची। इस दौरान एक लाल रंग का ट्रैक्टर बजरी से भरी ट्रॉली के साथ आता दिखाई दिया। पुलिस ने वाहन को रूकवाकर जांच की तो चालक ने अपनी पहचान राजकरण पुत्र नित्यान्द्र निवासी श्योपुरा, थाना पचेरी कलां के रूप में बताई।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

भीनमाल, (निसं)। शहर के जाकोब तालाब में डूबने से बुधवार को एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही उपखंड अधिकारी मोहित कासनियां सहित प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, चार दिन पूर्व हुई बारिश के बाद जाकोब तालाब में पानी की अच्छी आवक हुई थी। घटना की सूचना पर प्रशासन ने एनडीआरफ की टीम को मौके पर बुलाया। टीम के इंस्पेक्टर अरुण कुमार शर्मा के निर्देशन में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जिसके बाद युवक के शव को तालाब से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतक की पहचान मोहन उर्फ मोया जीनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवक के तालाब में डूबने के कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि बारिश के मौसम में तालाबों, नाड़ियों, बांधों एवं अन्य जलाशयों के समीप जाने से बचें तथा सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

युवक को शादी के कार्ड का लिंक भेजकर सायबर ठगी की

अजमेर, (निसं)। सायबर अपराधियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाने, नई तकनीकों का उपयोग करने और सायबर अपराधों पर अंकुश लगाने के प्रयासों के बावजूद ठग नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। अब सायबर ठगों ने शादी के निमंत्रण (वेडिंग कार्ड) का लिंक भेजकर ठगी करने का नया तरीका अपनाया है। अजमेर में ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जिसमें एक युवक के मोबाइल पर भेजे गए शादी के कार्ड के लिंक पर क्लिक करना भारी पड़ गया। ठगों ने न केवल उसका मोबाइल हैक कर लिया बल्कि उसके बैंक खाते से करीब 34 हजार रुपये भी निकाल लिए। इतना ही नहीं, मोबाइल हैक होने के बाद उसके सभी परिचितों को भी उसी तरह का फर्जी शादी का संदेश भेज दिया गया।

पीड़ित सैयद हफिज अली ने सायबर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर एक शादी के निमंत्रण का लिंक भेजा गया था। उसने सामान्य निमंत्रण समझकर जैसे ही लिंक खोला, कुछ ही देर में उसका मोबाइल सायबर ठगों के कब्जे में चला गया। इसके बाद अलग-अलग समय पर कुल नौ बार उसके बैंक खाते से करीब 34 हजार रुपयेनिकाल लिए गए।

पीड़ित ने बताया कि सायबर अपराधी केवल बैंक खाते से रकम निकालने तक ही सीमित नहीं रहे। उन्होंने उसका मोबाइल पूरी तरह हैक कर उसमें सेव सभी संपर्क नंबरों पर शादी के कार्ड का वही फर्जी लिंक भेज दिया। कुछ देर बाद जब उसके परिचितों के फोन आने शुरू हुए और उन्होंने शादी का संदेश मिलने की जानकारी दी, तब उसे एहसास हुआ कि उसके साथ सायबर ठगी हो चुकी है और उसका मोबाइल भी हैक कर लिया गया है। घटना के बाद सैयद हफिज अली ने सायबर पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया। साथ ही पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मामले की गंभीरता से जांच करने, आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा उसकी राशि वापस दिलाने की मांग की। पीड़ित ने आशंका जताई कि उसके मोबाइल से भेजे गए फर्जी संदेशों के कारण अन्य लोग भी सायबर ठगी का शिकार हो सकते हैं। सायबर पुलिस ने मामला दर्ज कर मोबाइल हैकिंग और बैंक खाते से हुए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ठगी की राशि किन बैंक खातों या डिजिटल माध्यमों में ट्रांसफर की गई और अपराधियों ने किस तकनीक का इस्तेमाल किया।

सरिस्का किसान महापंचायत में 186 गांवों के किसानों ने भरी हुंकार

अलवर, (निसं)। जिले के भर्तृहरि तिराहा स्थित प्रेमनाथ आश्रम में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) अराजनैतिक के बैनर तले सरिस्का क्षेत्र और आसपास के 186 गांवों के किसानों की महापंचायत आयोजित हुई।

■ बैठक में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा कर आने वाले समय में आंदोलन को लेकर रणनीति भी तैयार की गई

■ बैठक में तालवृक्ष रेंज के रेंजर को हटाने की मांग सहित क्षेत्र की सड़क सुविधाओं का मुद्दा भी उठा

महापंचायत में बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण पहुंचे। बैठक में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और आने वाले समय में आंदोलन को लेकर रणनीति भी तैयार की गई।

किसान नेता राकेश दायमा ने कहा कि यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे सरिस्का क्षेत्र के किसानों, ग्रामीणों और आने वाली पीढ़ियों के अधिकार, सम्मान, सुरक्षा और विकास से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से क्षेत्र के लोग कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनका स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। महापंचायत में किसानों ने सबसे प्रमुख मांग निर्दोष किसानों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने की उठाई। किसानों का कहना है कि आंदोलन के दौरान करीब 150 किसानों पर राजकार्य में बाधा जैसे मामले दर्ज किए गए, जिन्हें तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। उनका आरोप है कि इन मुकदमों से किसानों को अनावश्यक परेशान किया जा रहा है। बैठक में तालवृक्ष रेंज के रेंजर को हटाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। किसानों का कहना है कि वन विभाग के साथ लगातार विवाद की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने मांग की कि विभागीय हस्तक्षेप को कम किया जाए और सरिस्का क्षेत्र के आसपास कई पीढ़ियों से रह रहे ग्रामीणों के पारंपरिक अधिकारों का सम्मान किया जाए। महापंचायत में क्षेत्र की सड़क सुविधाओं का मुद्दा भी जोर-शोर से उठा। किसानों ने नारायणपुर - तालवृक्ष-कुशलगढ़ सड़क मार्ग का निर्माण कराने की मांग दोहराई। इसके साथ ही कुशालगढ़ तिराहे से बाबा भर्तृहरि धाम होते हुए थानागाजी तक सडक़ बनाने की मांग भी रखी गई। किसानों का कहना है कि बेहतर सड़क संपर्क से ग्रामीणों के साथ-साथ धार्मिक और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। महापंचायत में मौजूद किसानों ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसके लिए गांव-गांव जाकर किसानों को संगठित किया जाएगा और आगे की रणनीति के तहत चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) अराजनैतिक का कहना है कि किसानों का उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि अपनी समस्याओं का समाधान कराना है। संगठन ने सरकार और प्रशासन से मांग की कि किसानों और ग्रामीणों से जुड़े मुद्दों का समय रहते समाधान किया जाए, ताकि क्षेत्र में अनावश्यक विवाद की स्थिति पैदा न हो।

भर्तृहरि तिराहा स्थित प्रेमनाथ आश्रम में सरिस्का क्षेत्र और आसपास के किसानों की महापंचायत हुई।

विदेश भेजने के नाम पर 2.23 लाख की ठगी

चिड़ावा, (निसं)। झुंझुनूं जिला पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए विदेश भेजने के नाम पर लाखों रूपये की धोखाधड़ी करने वाले दो वर्षों से फरार चल रहे 5 हजार रूपये के इनामी एवं थाना स्तरीय टॉप-10 वांछित अपराधी प्रदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी लक्ष्मी चंद वर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, 6 फरवरी 2023 को दर्ज मामले में परिवादी ने रिपोर्ट दी थी कि आरोपी प्रदीप कुमार पुत्र ओमप्रकाश स्वयं को विदेश भेजने का एजेंट बताकर लोगों को दुबई सहित अन्य देशों में अच्छी नौकरी और आकर्षक वेतन का झांसा देता था। आरोपी ने परिवादी को दुबई की एक प्रतिष्ठित कंपनी में नौकरी दिलाने का भरोसा देकर 2 लाख 23 हजार रूपये की राशि हड़प ली। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

जांच के दौरान गवाहों के बयान, दस्तावेजी साक्ष्य और अन्य उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर आरोपी के विरुद्ध धोखाधड़ी का अपराध प्रमाणित पाया गया। आरोपी लगातार फरार रहने पर न्यायालय से धारा 299 सीआरपीसी के तहत वारंट जारी करवाया गया तथा उसके विरुद्ध चालान पेश किया गया। बाद में आरोपी की गिरफ्तारी पर 5 हजार रूपये का इनाम घोषित करते हुए उसे थाना चिड़ावा की टॉप-10 वांछित अपराधियों की सूची में शामिल किया गया।

16 साल की संविदा सेवा के बाद नौकरी गई, डिप्रेशन में युवक की मौत

■ आक्रोशित परिजन शव लेकर बैंक पहुंचे और प्रदर्शन किया

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर के सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक में 16 वर्षों से संविदा पर सहायक कर्मचारी के रूप में कार्यरत एक युवक की कथित तौर पर नौकरी से हटाए जाने के बाद डिप्रेशन में आने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुरुवार को परिजन युवक का शव लेकर सीधे बैंक परिसर पहुंचे और बैंक प्रबंधन तथा प्रबंध निदेशक (एमडी) के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। मृतक की पहचान राजेश मेघवाल के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार, बैंक द्वारा हाल ही में 11 संविदा कर्मचारियों को सेवा से हटाया गया था, जिनमें राजेश भी शामिल था। उनका आरोप है कि अचानक नौकरी छूटने के बाद राजेश मानसिक तनाव और डिप्रेशन में चला गया था। परिजनों ने बताया कि 29 जुलाई को राजेश की तबीयत बिगड़ने पर उसे जवाहिर अस्पताल, जैसलमेर ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए जोधपुर रेफर कर दिया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत के बाद गुरुवार को परिजन और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शव लेकर सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने बैंक प्रबंधन पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान बैंक परिसर में तनावपूर्ण माहौल रहा। परिजनों ने आरोप लगाया कि यदि लंबे समय से कार्यरत संविदा कर्मचारियों के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार किया जाता और बिना उचित व्यवस्था के उन्हें नौकरी से नहीं हटाया जाता, तो राजेश की जान बच सकती थी। घटना ने संविदा कर्मचारियों की नौकरी की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और रोजगार संबंधी नीतियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदर्शनकारी बैंक प्रबंधन की जवाबदेही तय करने और मृतक के परिवार को उचित मुआवजा एवं एक सदस्य को रोजगार देने की मांग की।